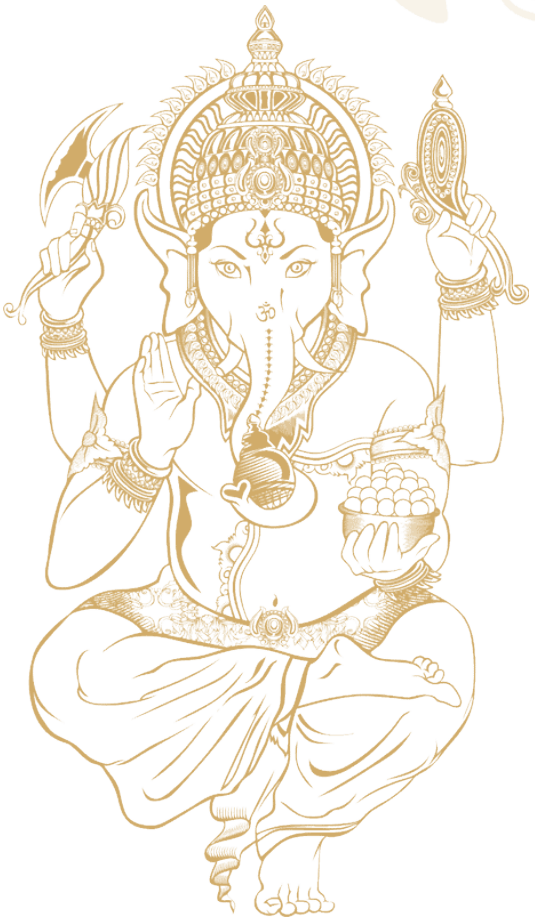

Suyash Jain

Anushka

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121895409

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/04/2000	जन्म तिथि	02/07/2002
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 17:19:00	जन्म समय	17:56:00 घंटे
घटी 27:31:55	जन्म समय(घटी)	30:26:20 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Pune
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	18:34:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	73:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:34:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:13	सूर्योदय	06:01:29
18:42:01	सूर्यास्त	19:14:35
23:51:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:15

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 14वर्ष 10मा 22दि		00:52:00	कन्या	लग्न	वृश्चि	29:15:26	शनि 3वर्ष 3मा 24दि	
शनि		19:11:02	मीन	सूर्य	मिथु	16:33:46	केतु	
24/02/2015		20:55:13	कुंभ	चंद्र	मीन	14:20:17	27/10/2022	
24/02/2034		13:46:15	मेष	मंगल	मिथु	28:56:46	26/10/2029	
शनि	27/02/2018	21:52:55	कुंभ	बुध	वृष	27:34:52	केतु	25/03/2023
बुध	06/11/2020	15:39:21	मेष	गुरु	मिथु	29:23:16	शुक्र	24/05/2024
केतु	16/12/2021	00:51:22	मीन	शुक्र	कर्क	26:36:10	सूर्य	29/09/2024
शुक्र	14/02/2025	21:48:56	मेष	शनि	वृष	27:31:41	चन्द्र	30/04/2025
सूर्य	27/01/2026	07:12:04	कर्क व	राहु व	वृष	23:43:59	मंगल	26/09/2025
चन्द्र	29/08/2027	07:12:04	मक व	केतु व	वृश्चि	23:43:59	राहु	14/10/2026
मंगल	06/10/2028	25:51:45	मक	हर्ष व	कुंभ	04:36:30	गुरु	20/09/2027
राहु	13/08/2031	12:21:55	मक	नेप व	मक	16:28:40	शनि	29/10/2028
गुरु	24/02/2034	18:57:20	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:44:12	बुध	26/10/2029

लग्न-चलित

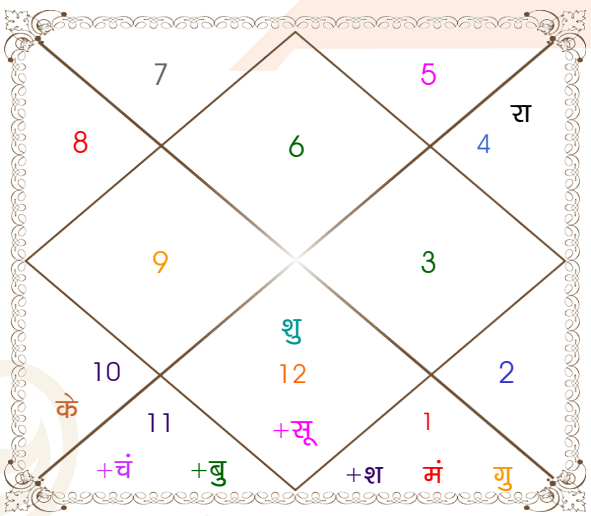

लग्न-चलित

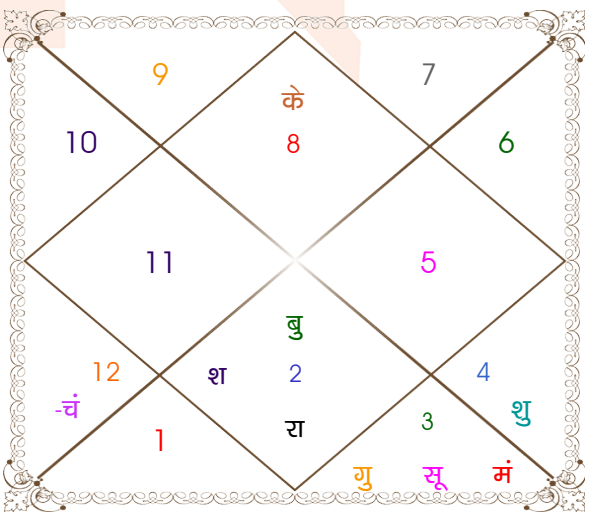

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Suyash Jain का वर्ग मेष है तथा Anushka का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Suyash Jain और Anushka का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Suyash Jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Suyash Jain कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Suyash Jain कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Anushka मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Anushka कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Suyash Jain कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Suyash Jain कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Suyash Jain तथा Anushka में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।